MP Board Class 10 Hindi Question Paper with Solutions(Memory Based)

Time Allowed :3 Hours	Maximum Marks :100	Total questions :35

General Instructions

Note :

1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
2. कैलकुलेटर का उपयोग वर्जित है ।
3. प्रश्नों के दाईं ओर दिए गए अंक पूर्ण अंक दर्शाते हैं ।
4. बहुविकल्पीय प्रश्नों (प्रश्न संख्या 1(ए)) के मामले में केवल पहले प्रयास का मूल्यांकन किया जाएगा और उसी के लिए अंक दिए जाएंगे ।
5. प्रत्येक बहुविकल्पीय प्रश्न के लिए, उपप्रश्न संख्या सहित सही विकल्प (A), (B), (C) या (D) को उत्तर के रूप में लिखना है ।
   उदाहरण के लिए : (i) (A), (ii) (B), (iii) (C)
6. जहां भी आवश्यक हो, वैज्ञानिक रूप से सही और लेबलयुक्त आरेख बनाए जाने चाहिए ।

---

1. तुलसीदास अथवा माखनलाल चतुर्वेदी की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए :
(i) दो रचनाएँ (ii) भावपक्ष

Correct Answer : वर्णनात्मक प्रश्न

Solution :

Concept : किसी भी कवि की काव्यगत विशेषताओं को समझने के लिए उसकी प्रमुख रचनाएँ तथा उसके काव्य का भावपक्ष (भावनात्मक पक्ष) जानना आवश्यक होता है ।भावपक्ष से आशय उन भावनाओं, विचारों और संवेदनाओं से है जो कवि अपने काव्य में व्यक्त करता है ।

(1) तुलसीदास की काव्यगत विशेषताएँ :

Step 1 : प्रमुख रचनाएँ तुलसीदास हिंदी साहित्य के महान भक्तिकालीन कवि थे ।उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं :

- रामचरितमानस
- विनय पत्रिका

Step 2 : भावपक्ष तुलसीदास के काव्य का मुख्य भाव **भक्ति** है । उन्होंने भगवान राम की भक्ति को अत्यंत सरल और भावपूर्ण शैली में प्रस्तुत किया है । उनके काव्य में निम्न भाव प्रमुख रूप से मिलते हैं :

- राम भक्ति और आदर्श जीवन का चित्रण
- मानव जीवन के नैतिक और धार्मिक मूल्यों का वर्णन
- समाज को सदाचार और मर्यादा का संदेश

(2) माखनलाल चतुर्वेदी की काव्यगत विशेषताएँ :

Step 1 : प्रमुख रचनाएँ माखनलाल चतुर्वेदी हिंदी साहित्य के प्रसिद्ध राष्ट्रवादी कवि थे । उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं :

- पुष्प की अभिलाषा
- हिमतरंगिणी

Step 2 : भावपक्ष माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रप्रेम और देशभक्ति की भावना प्रमुख रूप से व्यक्त होती है । उनके काव्य की विशेषताएँ हैं :

- देशभक्ति और स्वतंत्रता की प्रेरणा
- त्याग और बलिदान की भावना
- प्रकृति के सौंदर्य का चित्रण

Quick Tip

किसी भी कवि की काव्यगत विशेषताओं को लिखते समय उसकी **प्रमुख रचनाएँ** और **काव्य का भावपक्ष** अवश्य उल्लेख करना चाहिए ।

---

2. गोपियों के अनुसार राजा का धर्म क्या होना चाहिए ?

Correct Answer : राजा का धर्म प्रजा की रक्षा और उनके कल्याण के लिए कार्य करना है ।

Solution :

Concept : भारतीय साहित्य में राजा को प्रजा का रक्षक और पालक माना गया है । उसका मुख्य कर्तव्य प्रजा के सुख-दुख का ध्यान रखना और न्यायपूर्वक शासन करना होता है ।

Step 1 : गोपियों की दृष्टि में राजा का धर्म

गोपियों के अनुसार राजा का सबसे बड़ा धर्म यह है कि वह अपनी प्रजा की रक्षा करे और उनके सुख-दुख का ध्यान रखे । राजा को न्यायप्रिय, दयालु और कर्तव्यनिष्ठ होना चाहिए ।

Step 2 : राजा के मुख्य कर्तव्य

- प्रजा की रक्षा करना ।
- राज्य में न्याय और व्यवस्था बनाए रखना ।
- प्रजा के सुख और कल्याण का ध्यान रखना ।
- अन्याय और अत्याचार का नाश करना ।

इस प्रकार गोपियों के अनुसार राजा वही आदर्श शासक है जो अपनी प्रजा को परिवार के समान मानकर उनके हित में कार्य करे ।

Quick Tip

भारतीय काव्य और साहित्य में **आदर्श राजा** वही माना गया है जो **प्रजा की रक्षा, न्याय और लोककल्याण** को अपना मुख्य धर्म मानता है ।

---

3. अवधी भाषा आज किन-किन क्षेत्रों में बोली जाती है ?

Correct Answer : अवधी भाषा मुख्यत: उत्तर प्रदेश के मध्य एवं पूर्वी भागों तथा आसपास के क्षेत्रों में बोली जाती है ।

Solution :

Concept : अवधी हिंदी की प्रमुख बोलियों में से एक है । यह उत्तर भारत के विभिन्न क्षेत्रों में प्रचलित है और हिंदी साहित्य में इसका महत्वपूर्ण स्थान है । कई प्रसिद्ध कवियों ने अपनी रचनाएँ अवधी भाषा में लिखी हैं ।

Step 1 : अवधी भाषा का क्षेत्र

अवधी भाषा मुख्य रूप से **उत्तर प्रदेश के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों** में बोली जाती है । यह भाषा ऐतिहासिक रूप से अवध क्षेत्र की प्रमुख भाषा रही है ।

Step 2 : मुख्य क्षेत्र जहाँ अवधी बोली जाती है

- अयोध्या
- लखनऊ
- सुल्तानपुर
- प्रतापगढ़
- रायबरेली
- फैजाबाद
- उन्नाव तथा आसपास के क्षेत्र

इसके अतिरिक्त अवधी भाषा **बिहार के कुछ भागों तथा नेपाल के तराई क्षेत्र** में भी बोली जाती है। इस प्रकार अवधी भाषा उत्तर भारत के अनेक क्षेत्रों में प्रचलित एक महत्वपूर्ण लोकभाषा है।

Quick Tip

अवधी हिंदी की एक प्रमुख बोली है, जिसका प्रयोग कई प्रसिद्ध काव्य ग्रंथों जैसे **रामचरित-तमानस** में किया गया है।

---

4. कवि निराला की आँख फागुन की सुंदरता से क्यों नहीं हट रही है ?

Correct Answer : फागुन ऋतु की प्राकृतिक सुंदरता, रंग-बिरंगे फूलों और आनंदमय वातावरण के कारण कवि की आँखें उससे हट नहीं पा रही हैं।

Solution :

Concept : फागुन (वसंत ऋतु) प्रकृति की सुंदरता और उल्लास का प्रतीक है। इस ऋतु में चारों ओर हरियाली, फूलों की सुगंध, मधुर वातावरण और आनंद का भाव दिखाई देता है। कवि निराला ने अपने काव्य में प्रकृति के इसी सौंदर्य और आकर्षण का चित्रण किया है।

Step 1 : फागुन ऋतु की सुंदरता

फागुन के महीने में प्रकृति अत्यंत सुंदर और आकर्षक हो जाती है। पेड़ों पर नए पत्ते और फूल खिल उठते हैं, चारों ओर रंग-बिरंगी छटा दिखाई देती है तथा वातावरण में आनंद और उल्लास भर जाता है।

Step 2 : कवि का प्रकृति के प्रति आकर्षण

फागुन की इसी मनमोहक सुंदरता, फूलों की सुगंध और प्राकृतिक सौंदर्य को देखकर कवि निराला अत्यंत आनंदित हो जाते हैं। इस अद्भुत सौंदर्य के कारण उनकी आँखें फागुन की ओर से हट ही नहीं पातीं।

अत: फागुन की प्राकृतिक छटा और आनंदमय वातावरण कवि को इतना आकर्षित करता है कि उनकी दृष्टि उसी पर टिकी रहती है ।

Quick Tip

फागुन या वसंत ऋतु को **ऋतुओं का राजा** कहा जाता है, क्योंकि इस समय प्रकृति सबसे अधिक सुंदर और आनंदमय दिखाई देती है ।

---

5. 'फसल' कविता में फसल उगाने के लिए आवश्यक तत्व कौन-कौन से हैं ?

Correct Answer : फसल उगाने के लिए मिट्टी, पानी, हवा, धूप तथा किसान की मेहनत आवश्यक होती है ।

Solution :

Concept : 'फसल' कविता में कवि ने यह बताया है कि फसल केवल एक चीज़ से नहीं उगती, बल्कि इसके लिए प्रकृति के कई तत्वों और किसान की कठोर मेहनत की आवश्यकता होती है । प्रकृति और मानव श्रम मिलकर ही अच्छी फसल उत्पन्न करते हैं ।

Step 1 : प्राकृतिक तत्वों की आवश्यकता

फसल उगाने के लिए प्रकृति के कई तत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं । इनमें मुख्य रूप से निम्न तत्व शामिल हैं :

- उपजाऊ मिट्टी
- पर्याप्त पानी
- शुद्ध हवा
- सूर्य की धूप

ये सभी तत्व मिलकर पौधों की वृद्धि में सहायता करते हैं ।

Step 2 : किसान की मेहनत

प्राकृतिक तत्वों के साथ-साथ किसान की मेहनत भी अत्यंत आवश्यक होती है । किसान खेत जोतता है, बीज बोता है, सिंचाई करता है और फसल की देखभाल करता है । उसकी मेहनत के बिना अच्छी फसल संभव नहीं है ।

इस प्रकार 'फसल' कविता में यह स्पष्ट किया गया है कि फसल उगाने के लिए प्रकृति के तत्वों और किसान की मेहनत दोनों का योगदान आवश्यक है ।

Quick Tip

अच्छी फसल के लिए **प्राकृतिक संसाधन (मिट्टी, पानी, धूप, हवा)** और **किसान की मेहनत** दोनों का समान महत्व होता है ।

---

6. अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

Correct Answer : जब किसी वस्तु या व्यक्ति के बारे में सीधे न कहकर किसी अन्य वस्तु के माध्यम से कहा जाता है, वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है ।

Solution :

Concept : अलंकार हिंदी काव्य की शोभा बढ़ाने वाले तत्व होते हैं । काव्य में भावों को अधिक प्र-भावशाली और सुंदर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के अलंकारों का प्रयोग किया जाता है । अन्योक्ति अलंकार भी उन्हीं में से एक महत्वपूर्ण अलंकार है ।

Step 1 : अन्योक्ति अलंकार की परिभाषा

जब कवि किसी व्यक्ति, वस्तु या विषय के बारे में सीधे न कहकर किसी अन्य वस्तु के माध्यम से अपनी बात प्रकट करता है, तब वहाँ **अन्योक्ति अलंकार** होता है । इसमें वास्तविक विषय छिपा रहता है और किसी अन्य के माध्यम से उसकी ओर संकेत किया जाता है ।

Step 2 : उदाहरण

- **उदाहरण :** `नहिं पराग, नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहिं काल । अली कली ही सों बँध्यो, आगे कौन हवाल ।।"

  इस पंक्ति में कली और भँवरे के माध्यम से किसी अन्य विषय की ओर संकेत किया गया है, इसलिए यहाँ अन्योक्ति अलंकार का प्रयोग हुआ है ।

इस प्रकार जब किसी बात को अप्रत्यक्ष रूप से किसी अन्य वस्तु के माध्यम से कहा जाता है, तब वहाँ अन्योक्ति अलंकार होता है ।

Quick Tip

अन्योक्ति अलंकार में कवि अपनी बात **सीधे न कहकर किसी अन्य वस्तु के माध्यम से संकेत रूप में** व्यक्त करता है ।

---

7. महाकाव्य किसे कहते हैं ? दो महाकाव्यों के नाम लिखिए ।

Correct Answer : महाकाव्य वह विस्तृत काव्य होता है जिसमें किसी महान नायक के जीवन, उसके महान कार्यों और महत्वपूर्ण घटनाओं का विस्तार से वर्णन किया जाता है ।

Solution :

Concept : काव्य के कई प्रकार होते हैं, जिनमें महाकाव्य का विशेष स्थान है । महाकाव्य में किसी महान नायक के जीवन, उसके संघर्ष, वीरता तथा समाज या राष्ट्र से जुड़े महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तृत वर्णन किया जाता है । इसकी कथा व्यापक होती है और इसमें कई सर्ग (अध्याय) होते हैं ।

Step 1 : महाकाव्य की परिभाषा

जिस काव्य में किसी महान नायक के जीवन, उसके वीरतापूर्ण कार्यों तथा महत्वपूर्ण घटनाओं का विस्तृत और क्रमबद्ध वर्णन किया जाता है, उसे **महाकाव्य** कहते हैं । इसमें कथा, चरित्र-चित्रण और प्रकृति वर्णन का भी विशेष महत्व होता है ।

Step 2 : महाकाव्य के उदाहरण

- रामायण
- महाभारत

इन दोनों ग्रंथों में महान नायकों के जीवन और उनके महत्वपूर्ण कार्यों का विस्तृत वर्णन मिलता है, इसलिए इन्हें महाकाव्य कहा जाता है ।

Quick Tip

महाकाव्य सामान्यत: **लंबे काव्य** होते हैं जिनमें किसी महान नायक के जीवन और उसके कार्यों का विस्तृत वर्णन किया जाता है ।

---

8. करुण रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए ।

Correct Answer : जिस रस में दु:ख, शोक, करुणा और दया की भावना प्रकट होती है, उसे करुण रस कहते हैं ।

Solution :

Concept : रस काव्य का महत्वपूर्ण तत्व है, जो पाठक या श्रोता के मन में विशेष भाव उत्पन्न करता है । करुण रस उन रसों में से एक है जिसमें दु:ख, शोक और करुणा की भावना व्यक्त होती है । इसका स्थायी भाव **शोक** होता है ।

Step 1 : करुण रस की परिभाषा

जिस काव्य में दु:ख, शोक, दया और करुणा की भावना प्रकट होती है, वहाँ **करुण रस** होता है । यह रस पाठक या श्रोता के हृदय में सहानुभूति और संवेदना उत्पन्न करता है ।

Step 2 : उदाहरण

- **उदाहरण :** "हा लक्ष्मण ! तुम्हें बिना मैं कैसे जीवित रहूँगा ?"

इस उदाहरण में अत्यंत दु:ख और शोक की भावना व्यक्त हो रही है, इसलिए यहाँ करुण रस का प्रयोग हुआ है ।

Quick Tip

करुण रस का स्थायी भाव **शोक** होता है और यह रस दु:ख तथा करुणा की भावना को व्यक्त करता है ।

---

9. छन्द किसे कहते हैं ? छन्द के मुख्य प्रकारों के नाम लिखिए ।

Correct Answer : काव्य में वर्णों या मात्राओं की निश्चित संख्या तथा नियमबद्ध व्यवस्था को छन्द कहते हैं ।

Solution :

Concept : काव्य को सुंदर, लयबद्ध और प्रभावशाली बनाने के लिए छन्द का प्रयोग किया जाता है । छन्द के माध्यम से कविता में एक विशेष प्रकार की लय और संगीतात्मकता उत्पन्न होती है ।

Step 1 : छन्द की परिभाषा

काव्य में वर्णों या मात्राओं की निश्चित संख्या तथा उनके नियमानुसार क्रम को **छन्द** कहा जाता है । छन्द के कारण कविता में लय और ताल बनी रहती है, जिससे वह अधिक मधुर और आकर्षक बन जाती है ।

Step 2 : छन्द के मुख्य प्रकार

छन्द मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं :

- वर्णिक छन्द
- मात्रिक छन्द

(1) वर्णिक छन्द : इसमें वर्णों (अक्षरों) की संख्या निश्चित होती है ।

(2) मात्रिक छन्द : इसमें मात्राओं की संख्या निश्चित होती है ।

Quick Tip

छन्द कविता की **लय और ताल** को बनाए रखते हैं । मुख्यत: छन्द दो प्रकार के होते हैं — **वर्णिक छन्द** और **मात्रिक छन्द** ।